महत्वपूर्ण एवं खास

खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने जरूरतमंदों के लिए रवाना किया छाछ से भरा ट्रक

रायपुर (आरएनएस)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री अमरजीत भगत ने आज सिविल लाईन स्थित अपने शासकीय आवास से जरूरतमंदों के लिए छाछ से भरे ट्रक को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस छाछ को रायपुर शहर के विभिन्न इलाकों में जरूरतमंदों को प्रदान किया जाएगा। नगर पालिक निगम रायपुर के सभापति व पूर्व महापौर प्रमोद दुबे द्वारा नगरवासियों के लिए छाछ उपलब्ध कराया गया है। इस अवसर पर प्रमोद दुबे तथा नान के प्रबंध निदेशक निरंजन दास सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ प्रशिक्षित बीएड एवं डीएड संघ ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में 1.05 लाख रूपए की सहायता राशि जमा की

रायपुर (आरएनएस)। कोरोना संक्रमण की रोकथाम तथा जारी लॉकडाउन की वजह से जरूरतमंदों को सहायता मिल सके इसके लिए समाज के हर तबकों के द्वारा मदद करने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ प्रशिक्षित बी.एड. एवं डी.एड. संघ द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष में 1 लाख 5 हजार 5 सौ 55 रूपए की सहायता राशि प्रदाय की गई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस सहयोग के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया है।

नगर निगम के जोन 3 ने 2 लाख रुपये सहयोग राशि डोनेशन ऑन व्हील्स पर की भेंट

रायपुर (आरएनएस)। लॉकडाउन की इन परिस्थितियों में जरूरतमंदों के सहयोग के लिए बढ़ते हाथों में आज रायपुर नगर निगम के अंतर्गत जोन क्रमांक-3 के अधिकारियों व कर्मचारियों का हाथ भी शामिल हुआ। कोरोना की रोकथाम के लिए ये अधिकारी व कर्मचारी जिला प्रशासन के निर्देश व नगर निगम कमिश्नर के निर्देश में लगातार राहत व बचाव कार्य में जुटे हुए हैं, वहीं अपनी सैलरी से इन अधिकारियों व कर्मचारियों ने आज डोनेशन ऑन व्हील्स पर 2 लाख 1 हजार 5 सौ 16 रुपये की सहयोग राशि रायपुर ज़िला कलेक्टर डॉ. एस.भारतीदासन को भेंट की। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आरिफ शेख, नगर निगम कमिश्नर सौरभ कुमार, अपर आयुक्त पुलक भट्टाचार्य भी साथ थे। नगर निगम जोन 3 के जोन कमिश्नर अरुण साहू, कार्यपालन अभियंता प्रधान, सहायक अभियंता के.के. शर्मा सहित अन्य कर्मचारी ने यह सहयोग राशि एकत्रकर भेंट की है।

थोक किराना व्यापारी संघ गुढ़ियारी ने मुख्यमंत्री सहायता कोष के लिए पांच लाख रूपये दिए

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर पश्चिम विधायक विकास उपाध्याय के माध्यम से थोक किराना व्यापारी संघ गुढ़ियारी रायपुर द्वारा पांच लाख रूपये का चेक आज मुख्यमंत्री सहायता कोष में सहयोग प्रदान किया। व्यापारी संघ के अध्यक्ष पोहूमल, रतन लाल गोयल, ओमप्रकाश डागा, अर्जुन दास ओचवानी, काशीप्रसाद, सुरेश अग्रवाल, प्रकाश महेश्वरी, आनंद गोयनका, अंकित डागा, वीनू जेठानी, महेश एवं अमर लाल द्वारा आज विधायक श्री उपाध्याय से मुलाकात कर उन्हें पांच लाख रूपये का चेक मुख्यमंत्री सहायता कोष के नाम से सौंपा। विधायक श्री उपाध्याय ने थोक किराना व्यापारी संघ गुढ़ियारी रायपुर के समस्त सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि मानव जीवन पर आए इस संकट की घड़ी इनके द्वारा किया जा रहा सहयोग प्रशंसनीय है।

लोक आयोग कार्यालय में 33 प्रतिशत अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रह कर करेंगे कार्य

रायपुर (आरएनएस)। लॉकडाउन के दौरान लोक आयोग कार्यालय का शासकीय कार्य सुचारू रूप से संचालित हो इसके लिए 21 अप्रैल से नियमानुसार 33 प्रतिशत अधिकारी-कर्मचारी की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। छत्तीसगढ़ लोक आयोग के सचिव ने जानकारी दी है कि कोविड-19 का संक्रमण को देखते हुए प्रतिदिन कार्यालय में प्रवेश करने से पहले प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी एवं आगंतुकों का टेम्प्रेचर स्कैनर से तापमान नापा जा रहा है तथा इसके लिए एक पृथक से रजिस्टर संधारित कर प्रत्येक व्यक्तियों का नाम एवं टेम्प्रेचर दर्ज किया जा रहा है। आयोग में प्रवेश के पश्चात सभी व्यक्तियों को सेनेटाइजर के उपयोग पश्चात ही अंदर जाने की अनुमति प्रदान की जा रही है।

लॉक डाउन में भी मिला काम और मेहनत का दाम

» छत्तीसगढ़ के चार चिन्हारी बने आत्म निर्भरता के पर्याय

» कोरोना संकट के बीच नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी योजना ने सिद्ध की अपनी उपयोगिता

न्याय साक्षी/रायगढ़। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवन देने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा शुरू की गई नरवा, गरवा, घुरवा एवं बाड़ी योजना ने लॉक डाउन के बीच ग्रामीणों को आर्थिक संबल देने में अपनी उपयोगिता सिद्ध करने के साथ ही भविष्य में मिलने वाले परिणामों की बानगी पेश कर रहा है। देश के कृषि विशेषज्ञों और अर्थशास्त्रियों ने कई मौकों पर छत्तीसगढ़ की इस योजना को ग्रामीण जन जीवन की उन्नति के लिए गेम चेंजर करार दिया है। योजना के अंतर्गत भू-जल स्तर सुधार, पशुधन विकास, जैविक खाद निर्माण व बाड़ी विकास के प्रयास अब सकारात्मक परिणाम में तब्दील हो रहे हैं।

रायगढ़ जिले के बरमकेला विकासखण्ड का तकरीब 1500 की आबादी वाला गांव है हिर्री। यहाँ लॉक डाउन के बीच सोशल डिस्टेंसिंग एवं अन्य सुरक्षात्मक उपायों का पालन करते हुए नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी योजना के तहत बनाये गए गौठान में पशुधन की देखभाल के साथ जैविक खाद निर्माण और साग भाजी उत्पादन का कार्य गांव की ग्राम्य भारती व लक्ष्मी महिला स्व-सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है। दोनों समूहों में 15-15 महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा पास के नाले में जल संवर्धन के लिए बोल्डर चेक डैम भी बनाया गया है।

योजना से होने वाले फायदों को लॉक डाउन के परिपेक्ष्य में देखें तो हिर्री में स्व-सहायता समूह के माध्यम से 15 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट तैयार कर बेचा गया जिससे किसानों को गांव में ही कृषि कार्य के लिये कम्पोस्ट खाद मिल रहा है। इसके साथ ही वर्मी कम्पोस्ट निर्माण के दौरान केचुओं का संवर्धन कर उसका भी विक्रय किया जा रहा है। समूह की महिलाओं द्वारा डेढ़ एकड़ बाड़ी में भिंडी, करेला, केला और कद्दू सब्जियां उगाई जाती हैं। जिसका उपयोग इस संकट के समय निराश्रितों व जरूरतमंदों के वितरण में किया जा रहा है। उसके बाद बची सब्जियों का विक्रय कर समूह अपनी आजीविका संवर्धन भी कर रहे हैं। बोल्डर चेक डैम बनने से गांव के भू जल स्तर में काफी सुधार हुआ है। वरना पहले गर्मी के दिनों में गाँव के हैण्ड पंप का पानी सूखने या नीचे चले जाने से अतिरिक्त पाइप डलवाने की मशक्कत करनी होती थी। लॉक डाउन होने से सुधार कार्य करवाना व पानी की कमी दोनों ही बड़ी समस्या बन सकती थी, किन्तु भू-जल स्तर में वृद्धि होने से उसमें भी राहत है। इसके साथ ही पशुधन को गौठानों में रखने से किसानों के फसल को नुकसान पहुंचाने वाले आवारा मवेशियों की समस्या भी दूर हुई है।

सुराजी गांव की संकल्पना के साथ, ग्रामीण व कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण को मूल में रख प्रारम्भ की गयी यह योजना ग्रामीण स्तर पर आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रही है। नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी छत्तीसगढ़ के इन चार चिन्हारी ने लोगों को लॉक डाउन में काम और उनकी मेहनत का दाम दिलाकर ये झलक दिखला दी है कि आने वाले समय में इस योजना के कितने सुखद परिणाम सामने आने वाले हैं।

दस लीटर महुआ शराब के साथ दो गिरफ्तार

» लॉक डाउन का फायदा उठाकर कर रहे थे तस्करी

गरियाबंद (आरएनएस)। दस लीटर महुआ शराब के साथ पाण्डुका पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी लॉकडाउन का फायदा उठाकर शराब की तस्करी कर रहे थे। दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34 (2) और आईपीसी की धारा 188 के तहत कार्रवाई की गई है।सरकारी शराब दुकान बंद होने का कोचिए बेजा फायदा उठा रहे हैं। अंचल के गांवों में महुआ शराब की बिक्री और सप्लाई की शिकायतें बढ़ गई है। जंगल के गांवों से प्लेन इलाकों में महुआ शराब की सप्लाई बढ़ गई है। ऐसी ही सूचना कई दिनों से पाण्डुका पुलिस को मिल रही थी। इसके मद्देनजर सोमवार को सुबह से ही जवान तैनात थे। इसी दौरान सुबह करीब आठ बजे प्रधान आरक्षक यदुराज ठाकुर अपने साथी जवान कोमल और रेखू के साथ ग्राम कुटेना के नहर पुलिया के पास तैनात थे। इसी दौरान राजिम थाना के ग्राम श्यामनगर निवासी विनय वैष्णव और ईश्वर साहू मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04 एलएम 9050 में कुटेना की ओर से आ रहे थे। उन्हें रोककर बाइक की तलाशी ली गई ,तो डिक्की में एक प्लास्टिक थैली में पांच लीटर और दो अलग-अलग जरकीन में पांच लीटर महुआ शराब रखे हुए थे। आरोपी अवैध धन लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से शराब को ले जा रहे थे। मोटरसाइकिल को जब्त कर दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) और आईपीएसी की धारा 188 के तहत कार्रवाई की गई है।

सीएम ने कहा: छात्रों को 12वीं के प्रमाण पत्र के साथ मिले आईटीआई का भी प्रमाण पत्र

» मुख्यमंत्री ने स्कूल शिक्षा विभाग और तकनीकी शिक्षा विभाग को योजना तैयार करने के दिए निर्देश

» बघेल ने कहा व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों में उच्चकोटि का कौशल विकसित करने में मिलेगी मदद

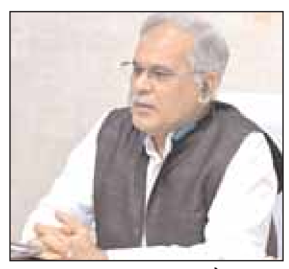

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आईटीआई तथा हायर सेकेण्डरी स्कूलों में समन्वय कर कक्षा 11वीं एवं 12 वीं में व्यवसायिक शिक्षा की व्यवस्था की जाए ताकि छात्र को कक्षा 12 वीं के छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के प्रमाण पत्र के साथ आईटीआई का प्रमाण पत्र भी प्राप्त हो सके, जिससे 12 वीं उत्तीर्ण करने के उपरांत उन्हें रोजगार मिलने में आसानी हो।

मुख्यमंत्री ने इस दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए छत्तीसगढ़ के स्कूलों में कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) के समन्वय से व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम की पढ़ाई हेतु योजना तैयार करने के निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग तथा तकनीकी शिक्षा विभाग दिए हैं। बघेल ने इसके लिए दोनों विभागों को संयुक्त रूप से योजना तैयार कर जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। बघेल ने कहा है कि आईटीआई के समन्वय से स्कूलों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम की पढ़ाई होने से व्यावसायिक पाठ्यक्रम वाले विद्यार्थियों में उनके द्वारा चुने गए ट्रेड में उच्चकोटि के कौशल का विकास हो सकेगा और उन्हें काम मिलने में आसानी होगी। मुख्यमंत्री ने इस कार्ययोजना के संबंध में दोनों विभागों को कुछ मार्गदर्शी निर्देश भी जारी किए हैं।

मुख्यमंत्री ने जारी निर्देशों में कहा है कि शिक्षा के व्यावसायीकरण (वोकेशनेलाइजेशन) करने की बात देश में लम्बे समय से की जा रही है, व्यावसायिक शिक्षा को पाठ्यक्रम में भी शामिल किया गया है, किन्तु अभी तक अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं किए जा सके हैं। वर्षों की औपचारिक शिक्षा पूर्ण करने के बाद भी छात्रों को रोजगार प्राप्त नहीं हो पाता। जिसका मुख्य कारण शालाओं में वर्कशॉप एवं कुशल प्रशिक्षकों का अभाव है।

कोरोना संकट में बीसी सखियों ने उठाया घर पहुंच बैंकिंग सुविधा का बीड़ा

» लॉकडाउन अवधि में ही 2 करोड़ से अधिक राशि का भुगतान

रायपुर (आरएनएस)। देशभर में कोरोना संक्रमण के प्रसार के रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण लोग घर में रहने मजबूर है। इस परिस्थिति में बैंकिंग कॉरस्पॉन्डेन्स बीसी सखियों के द्वारा ग्रामीणों के घर पहुंचकर पेंशन, मजदूरी भुगतान सहित अन्य बैंकिंग सुविधा पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। संकट के समय ग्रामीणों को बीसी सखी के रूप में सबसे बड़ा मददगार मिल गया है। अपने पारा-मोहल्लें में पेंशन और मजदूरी की राशि मिलने से ग्रामीण खुश हैं। लॉकडाउन अवधि में ही 55 बीसी सखियों के द्वारा 2 करोड़ 25 लाख रुपये का भुगतान किया गया है। वहीं साल भर हुए शुरुआत से लेकर अब तक करीब 48 करोड़ रुपये का पेंशन और मजदूरी भुगतान किया गया है।

बीसी सखी लोगों को पेंशन मजदूरी भुगतान कर कोरोना संकट में अपनी योगदान देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। बीसी सखियों के द्वारा मनरेगा मजदूरी, किसान सम्मान निधि योजना तथा सभी प्रकार के पेंशनों का वितरण किया जा रहा है।

सरगुजा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने हेतु कलेक्टर डॉ सारांश मित्तर के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुलदीप शर्मा के नेतृत्व में करीब एक वर्ष पूर्व बीसी सखी की शुरुआत किया गया। वर्तमान में 70 से अधिक बीसी सखी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय है। बीसी सखी ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधा देने के लिए लैपटॉप, स्वाइप मशीन एवं पॉश मशीन का उपयोग करती है। बैंक द्वारा भुगतान का लिमिट भी तय किया गया है। बीसी सखियों को भुगतान के एवज में बैंक कमीशन देता है। कमीशन के रूप में उन्हें प्रति माह 4 से 5 हजार रुपये मिल जाते हैं। बीसी सखी के माध्यम से एक ओर ग्रामीणों का घर में ही बैंकिंग सुविधा मिल रही है वही दूसरी ओर महिलाओं को रोजगार के साधन उपलब्ध हो रहे हैं।

गौरतलब है कि लॉकडाउन की विषम परिस्थिति में बैंकों में लगने वाली लंबी-लंबी कतारों को कम करने में बीसी सखी अपनी महती भूमिका निभा रही हैं। स्वयं लॉकडाउन के निर्देशों तथा फिजिकल डिस्टेंस का अनुपालन करते हुए ग्रामीणों में जागरूकता का प्रसार कर रही है। गांव-गांव जाकर लोगों को फिजिकल डिस्टेंस तथा स्वच्छता का महत्व समझाने में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

» मरौदा के जंगल में दबिश देकर पुलिस ने पकड़ा

गरियाबंद (आरएनएस)। नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मरौदा के जंगल में दुबका हुआ था। आरोपी के खिलाफ धारा 376(2) भादवि 4,6 पॉक्सो एक्ट अपराध दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। सिटी कोतवाली गरियाबंद क्षेत्र की एक नाबालिग 18 अप्रैल को अपने माता - पिता के साथ पहुंची थी। उन्होंने लिखित शिकायत में बताया था कि आरोपी उमेश मरकाम पीड़िता को नाबालिग को जानते हुए बहला -फुसलाकर प्यार भरी बातों में फंसाकर लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा, जिससे नाबालिग गर्भवती हो गई। प्रथम सूचना दर्ज होने के पश्चात घटना के सम्बंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के दिशा-निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदं राठौर के मार्गदर्शन, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस गरियाबंद संजय ध्रुव के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक आरके साहू द्वारा टीम बनाकर आरोपी की पतासाजी में जुट गए। मुखबीर की सूचना पर आरोपी को मरौदा के जंगल में घेराबंदी कर हिरासत में लिया गया।

अधिक दाम पर बेच रहा था किराना सामान उड़नदस्ता की टीम ने लगाया जुर्माना

भिलाई (आरएनएस)। नगर निगम की उड़नदस्ता टीम ने सुपेला बाजार, वैशालीनगर, स्मृतिनगर, पॉवरहाउस क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किए जिसमें एमआरपी से अधिक दाम सामान बेच रहे किराना दुकान संचालक पर जुर्माना लगाया। आदेश की अवहेलना करते हुए कुछ दुकानदार और ग्राहक बिना मास्क लगाए दुकान पर पाए गए जिन्हें समझाइश देकर छोड़ा गया तथा सड़ा हुआ फल बेचते पाए जाने पर उसे जप्त कर विनिष्ट किया गया। निरीक्षण के दौरान भीड़ पाए जाने वाले दुकानदार के संचालकों को समझाईश दी गई। लॉकडाउन का पालन कराने निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी के निर्देश पर उड़नदस्ता टीम शहर के सभी प्रमुख बाजारों का निरीक्षण किए और शासन के आदेश का उल्लंघन करते पाए जाने वाले दुकानों पर कार्रवाई की गई ! निगम के अधिकारी/कर्मचारी निरंतर क्षेत्र का भ्रमण कर कोरोना वायरस से बचाव हेतु सोशल डिस्टेंस बनाने व घरों में ही रहने की अपील कर रहे है ! उड़नदस्ता की टीम ने व्यवसायिक प्रतिष्ठान, बाजार व अन्य भीड़ भाड़ वाले स्थानों का दौरा कर लोगों को एक जगह एकत्र न होने की समझाइश दिए। निगम की उड़नदस्ता टीम ने वार्ड 06 के आकाश जनरल स्टोर्स में बिना मास्क लगाए ग्राहकों को सामान देते एवं डिस्पोजल गिलास बेचते पाए जाने पर समझाइश देकर छोड़ा व डिस्पोजल की जब्ती बनाई, वार्ड 06 के ही गंगा किराना स्टोर्स एमआरपी रेट से अधिक दाम पर बिड़ी, सिगरेट बेच रहा था जिसे जप्त करते हुए 2000 रूपए जुर्माना लिया गया।

मुख्यमंत्री राहत कोष में प्रमोद जैन और रामगोपाल अग्निहोत्री ने दिए 26 लाख रूपए

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में कोविड-19 से लड़ाई में सहयोग के लिए बिलासपुर के दो उद्योगपतियों प्रमोद जैन और रामगोपाल अग्निहोत्री ने मुख्यमंत्री राहत कोष में संयुक्त रूप से 26 लाख रूपए दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने आज उनके शासकीय निवास में मुलाकात कर दोनों ने 26 लाख रूपए का चेक सौंपा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने कोविड-19 के विरूद्ध लड़ाई में इस उदारतापूर्वक सहयोग के लिए दोनों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

लाए गए वन भैंसों की जोड़ी कब तक रहेंगे सुरक्षित

» असम प्रदेश के वनभैंसे के लिये छत्तीसगढ़ के जंगल की जलवायु अनुकूल नहीं

गरियाबन्द (आरएनएस)। उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व जो वन्य प्राणियों के संरक्षण के मामले में हर समय चर्चित रहा है और वन्य प्राणियों के के रूप में करोड़ो रूपये गबन के लिए मीडिया में छाए रहने वाला विभाग के रूप में जाना जाता है ।इस विभाग को पूर्व में राज्य शासन द्वारा वन भैंसों के संरक्षण के लिए करोड़ो रूपये सालाना आबंटन दिया जाता रहा है फिर भी इस विभाग में वन भैंसों का संरक्षण नही हो पाया और वन भैंसो के बाद एक वन भैंसों की मौत होते रहा ।इसके पश्चात इस विभाग को टाइगर रिजर्व अर्थात शेरो के संरक्षण के लिए करोड़ो रूपये आबंटित किया गया जबकि वहां एक भी शेर था ही नही ।अब पुनः छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग के द्वारा प्रदेश के राजकीय पशु वन भैंसे की संवर्धन व संरक्षण हेतु असम से मादा वन भैंस लाया गया है जो रायपुर सम्भाग के बारनवापारा अभ्यारण्य एवं उदन्ती अभ्यारण्य के जंगलो में रखकर वंशवृद्धि करने की बात वन अधिकारी के द्वारा बताया गया है, किन्तु असम से लाया गया वन भैंसे के लिये उक्त दोनों अभ्यारण्य में मौसम एवं वातावरण अनुकूल नहीं है क्योंकि ये वनभैंसे असम के शितोष्ण कटिबन्ध अर्थात ठंड मौसम जलवायु में संरक्षण व संवर्धन हुए हैं जबकि छत्तीसगढ़ के जंगल उष्ण कटिबन्ध भीषण गर्मी का जलवायु है, खासकर बारनायापारा अभ्यारण्य और उदन्ती अभ्यारण्य के जंगल का तापमान 45 से 50 डिग्री सेंटीग्रेड से ऊपर चला जाता है, ऐसे में ये लाये गये वन्य प्राणी का जीवित रहना मुश्किल लगता है? फेटो में ही दिख रहा है ठंड प्रदेश के वन्य प्राणी है जिसके शरीर मे घना बाल है, जबकि उदन्ती या सीता नदी अभ्यारण्य जंगल के वनभैंसे की शरीर में बाल नहीं होते है । भाजपा के वरिष्ठ नेता और उदन्ती अभ्यारण्य के जानकारी रखने वाले मुरलीधर सिन्हा ने छत्तीसगढ़ वन विभाग के वन अधिकारियों के ऊपर आरोप लगाते हुए कहा है यह बजट से भ्रष्टाचार करने का खेल तो नहीं है ?

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य बिन्दु

पीड़ित संपर्क करें

अन्य बिन्दु

पढ़िए ... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की जाती है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU